चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3-2-26	3	5-6

हकृवि के स्थापना दिवस पर विभिन्न परियोजनाओं का किया उद्घाटन

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज परियोजना का उद्घाटन करते हुए • विज्ञप्ति

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 57वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह, पूर्व उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवी लाल व प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री डा. मंगल सेन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके की। इसके पश्चात आइजी आडिटोरियम के सामने हवन किया गया। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने एक करोड़ 78 लाख रुपए से अधिक की राशि से नव निर्मित परियोजनाओं का उद्घाटन किया। गिरि सेंटर में स्थित 153.04 लाख रुपए की लागत से 660.61 स्क्वायर मीटर में नवनिर्मित शहीद उद्यम सिंह क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटनकिया।

हकृवि का 57वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में 57वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	3-2-26		

पुस्तकें स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ाती हैं, पढ़ने की आदत डालें

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्यातिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। पुस्तकों के नियमित अध्ययन से ज्ञान में वृद्धि होती है, स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ती है तथा सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। इससे भाषा कौशल और शब्दावली में भी सुधार होता है। पुस्तक पढ़ना तनाव को कम करता है, मन को शांत रखता है और मानसिक थकान दूर करता है, जिससे अच्छी नींद और बेहतर स्वास्थ्य में सहायता मिलती है। पुस्तकें व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्कालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने तीन दिवसीय प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, एलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंस, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। जिसमें आठ प्रसिद्ध पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	3.2.26	4	3-6

हकृवि सदैव किसानों के हितों के लिए प्रयासरतः प्रो. काम्बोज

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

हिसार, 2 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय सभागार में स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसंचिव डॉ पवन कुमार ने की। मंच पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि गत वर्ष के दौरान वैज्ञानिकों ने गेहूं सहित अन्य फसलों की नई किस्में विकसित की हैं।उन्होंने बताया कि जल संरक्षण के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों की बदौलत हकृवि को जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ वॉलेंटियर पुरस्कार मिला। सरसों में अनुसंधान के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाजा गया है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने, टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित करने और युवा पीढ़ी को कृषि उद्यमिता की ओर प्रेरित करना भी है। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सरदार पटेल पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में शिक्षक वर्ग से डॉ. धर्मबीर यादव (प्रिंसिपल साइंटिस्ट, आरआरएस, बावल), गैर-शैक्षक वर्ग से वीना नारंग (निजी सचिव, कुलसचिव कार्यालय) तथा छात्र वर्ग से रक्षिता सिंह को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में शिक्षक वर्ग से डॉ. ओ.पी. चौधरी (आरडी, आरआरएस करनाल), गैर-शिक्षक वर्ग से स्व. श्री लवण जैन तथा छात्र वर्ग से अंकुश को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही समारोह में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशक और अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

स्थापना दिवस पर हवन करते मुख्य अतिथि व अन्य।

स्थापना दिवस पर विभिन्न परियोजनाओं का हुआ उद्घाटन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 57 वें स्थापना दिवस पर आई.जी. ऑडिटोरियम के सामने हवन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने एक करोड़ 78 लाख रुपए से अधिक की राशि से नव निर्मित परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने गिरि सेंटर में स्थित 153.04 लाख रुपए की लागत से 660.61 स्क्वायर मीटर में नवनिर्मित शहीद उद्यम सिंह क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया। फैकल्टी हाउस में 24 लाख 99 हजार रुपए की अधिक लागत से नवनिर्मित कमेटी रूम का भी उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

3 दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्यातिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहां कि पुस्तकें विद्यार्थियों को दुनिया के बारे में नई जानकारी, विचार और तथ्य प्राप्त करने में मदद करती हैं। प्रत्येक छात्र को निश्चित रूप से पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पुस्तकें सिर्फ प्रतियोगी जीवन की ही साथी नहीं है बल्कि यह जीवन के प्रत्येक पड़ाव पर हमारा मार्गदर्शन करती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	3.2.26	4	1-5

किसानों के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रहा हकृवि : वीसी

स्थापना दिवस पर शिक्षक और कर्मियों को सरदार पटेल पुरस्कार

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) किसानों के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रहा है और कृषि शिक्षा, अनुसंधान व विस्तार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। यह बात कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने हकृवि के 57वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान कही।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी एवं छात्रों को सरदार पटेल पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज मुख्य अतिथि रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने की। मंच पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव भी उपस्थित रहे।

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष 45 शिक्षकों और 53 गैर-शिक्षक कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई। साथ ही लगभग 430 वैज्ञानिकों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सेमिनारों का आयोजन किया गया।

एचएयू में अधिकारियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : संस्थान

इन्हें मिला पुरस्कार

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में शिक्षक वर्ग से प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. धर्मबीर यादव, गैर-शैक्षणिक वर्ग से वीना नारंग तथा छात्र वर्ग से रक्षिता सिंह को सरदार पटेल पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी तरह वर्ष 2019-20 में शिक्षक वर्ग से डॉ. ओपी चौधरी, गैर-शिक्षक वर्ग से स्व. लवण जैन और छात्र वर्ग से अंकुश को इस सम्मान से नवाजा गया। इसके अलावा अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं अधिकारियों को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3.2.26	5	1-3

हकृवि सदैव किसानों के हितों के लिए प्रयासरत : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारियों को किया सम्मानित

हिसार, 2 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय सभागार में स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने की। मंच पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि गत वर्ष के दौरान वैज्ञानिकों ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1306, मक्का संकर एचक्यूपीएम 29, पॉपकॉर्न एचपीसी 4, पूसा एचक्यूपीएम 4 संशोधित, मटर की एचएफपी 1709, ज्वार की सीएसवी 64 एफ और चारा जई की एचएफओ 915, एचएफओ 917, एचएफओ 1014 किस्में शामिल हैं। इसके अलावा गेहूं की डब्ल्यूएच 1309, कपास की एच 1530, गन्ने की सीओएच 188, ज्वार की एचजेएमसी 2011 और एचजे 2153, अश्वगंधा की एचएजी 1 और एचडब्ल्यूएस 8-18, प्याज की हिसार प्याज 8 किस्में चिन्हित की है। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों की बदौलत हकृवि को जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ वॉलेंटियर पुरस्कार मिला। सरसों में अनुसंधान के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाजा गया है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने, टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित करने और युवा पीढ़ी को कृषि उद्यमिता की ओर प्रेरित करना भी है।

समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सरदार पटेल पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में शिक्षक वर्ग से डॉ. धर्मबीर यादव (प्रिंसिपल साइंटिस्ट, आरआरएस, बावल), गैर-शैक्षक वर्ग से श्रीमती वीना नारंग (निजी सचिव, कुलसचिव कार्यालय) तथा छात्र वर्ग से रक्षिता सिंह को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में शिक्षक वर्ग से डॉ. ओ.पी. चौधरी (आरडी, आरआरएस करनाल), गैर-शिक्षक वर्ग से स्व. श्री लवण जैन तथा छात्र वर्ग से श्री अंकुश को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही समारोह में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशक और अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	3.2.26	11	2-6

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया 57वां स्थापना दिवस

हकृवि सदैव किसानों के हितों के लिए प्रयासरत: प्रो. काम्बोज

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी किए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय सभागार में स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने की। मंच पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हितों के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि गत वर्ष के दौरान वैज्ञानिकों ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1306, मक्का संकर एचक्यूपीएम ·29, पॉपकॉर्न एचपीसी 4, पूसा एचक्यूपीएम 4 संशोधित, मटर की एचएफपी 1709, ज्वार की सीएसवी 64 एफ और चारा जई की एचएफओ 915, एचएफओ 917, एचएफओ 1014 किस्में शामिल हैं। इसके अलावा गेहूं की डब्ल्यूएच 1309, कपास की एच 1530, गन्ने की सीओएच 188, ज्वार की एचजेएमसी 2011 और एचजे 2153, अश्वगंधा की एचएजी 1 और एचडब्ल्यूएस 8-18, प्याज की हिसार प्याज 8 किस्में चिह्नित की है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने, टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित करने और युवा पीढ़ी को कृषि उद्यमिता की ओर प्रेरित करना भी है।

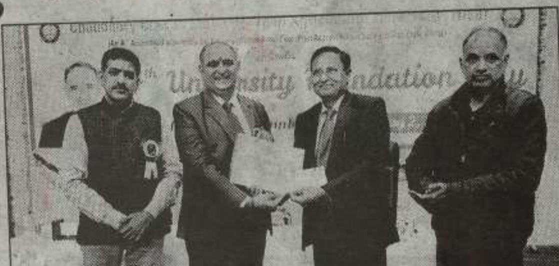

हिसार। कर्मचारियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

इन मिला सम्मान

समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सरदार पटेल पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में शिक्षक वर्ग से डॉ. धर्मबीर यादव व गैर-शैक्षक वर्ग से वीना नारंग तथा छात्र वर्ग से रक्षिता सिंह को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में शिक्षक वर्ग से डॉ. ओ.पी. चौधरी, गैर-शिक्षक वर्ग से स्व. लवण जैन तथा छात्र वर्ग से अंकुश को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही समारोह में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशक और अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हिसार। परियोजना का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

1.78 करोड़ रुपये की नवनिर्मित परियोजनाओं का किया उद्घाटन

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 57वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह, पूर्व उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवी लाल व प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. मंगल सेन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके की। इसके पश्चात आईजी ऑडिटोरियम के सामने हवन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने एक करोड़ 78 लाख रुपये से अधिक की राशि से नव निर्मित परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने गिरी सैंटर में स्थित 153.04 लाख रुपये की लागत से 660.61 स्क्वैयर मीटर में नवनिर्मित शहीद उद्यम सिंह क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया जिसमें नवनिर्मित पवेलियन के ग्राउंड फ्लोर पर खिलाडियों के लिए दो कमरे, टॉयलेट, ऑफिस रूम, चाय कैंटीन, लॉबी और सीढियों आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं। पवेलियन के प्रथम तल पर लगभग 350 व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। फैकल्टी हाउस में 24 लाख 99 हजार रुपये की अधिक लागत से नवनिर्मित कमेटी रूम का भी उद्घाटन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण	02.02.2026	--	--

एचएयू का 57वां स्थापना दिवस धुमधाम से मनाया जाएगा

पुस्तक प्रदर्शनी सहित विभिन्न परियोजनाओं का किया जाएगा उद्घाटन

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का 57वां स्थापना दिवस 2 फरवरी को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्यातिथि होंगे।

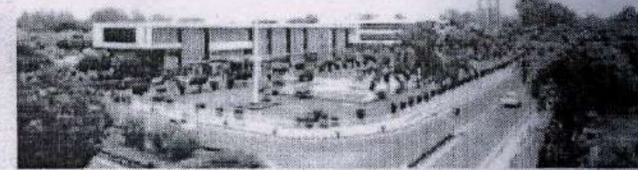

विभिन्न परियोजनाओं का होगा उद्घाटन- विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसका आगाज पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह, पूर्व उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवी लाल व प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. मंगल सेन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण से होगा। इसके पश्चात आईजी ऑडिटोरियम के सामने हवन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके बाद कुलपति नेहरू पुस्तकालय में लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी, गिरि सेंटर स्थित क्रिकेट पवेलियन व फैकल्टी हाऊस के कन्वेंशन हॉल का उद्घाटन करेंगे।

तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का होगा शुभारंभ-पुस्तकाल्याध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में 2 से 4 फरवरी को पुस्तक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, एलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंस, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में 8 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा लेंगे। इस पुस्तक प्रदर्शनी में सामान्य पाठक भी अपने आवश्यकता की पुस्तकें खरीद सकते है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण	02.02.2026	--	--

उल्लेखनीय कार्यों के लिए हकृवि डॉ. एस.के. पाहुजा का सैदव आभारी रहेगा: प्रो. बी.आर. काम्बोज

अधिष्ठाता की सेवानिवृत्ती पर सम्मान समारोह आयोजित

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा लगभग 36 वर्ष की सेवा पूर्ण करने उपरान्त सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा सेवा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय डॉ. एस.के. पाहुजा की दीर्घकालीन सेवाओं, नेतृत्व क्षमता एवं शैक्षणिक योगदान के लिए सदैव आभारी रहेगा। डॉ. पाहुजा ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुलपति ने कहा कि कृषि महाविद्यालय ने उनके मार्गदर्शन में शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध उपलब्धियों तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की। उनका सादगी पूर्ण व्यक्तित्व, कार्य के प्रति समर्पण और प्रशासनिक दक्षता सदैव प्रेरणा स्रोत रहे। उन्होंने विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके कृषि महाविद्यालय में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया।

अधिष्ठाता डॉ. पाहुजा ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय तथा देश के अन्य कई संस्थाओं के पीएचडी छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ कार्य किया। डॉ. पाहुजा चारा एवं बाजार अनुभाग के सक्रिय सदस्य भी रहे। उनके इस कार्यकाल के दौरान अनेक उपलब्धियां हासिल की गई। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं में लगभग 125 प्रकाशन (शोध पत्र, शोध टिप्पणियां, पाठ्यक्रम पुस्तिकाएं, पुस्तक अध्याय एवं लेख शामिल हैं) प्रकाशित हुए। डॉ. पाहुजा अपने सेवाकाल के दौरान विश्वविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं तथा अनेक सम्मेलनों, कार्यशालाओं की आयोजनों से भी जुड़े रहे। डॉ पाहुजा ने अपने कार्यकाल के दौरान छात्र कल्याण निदेशक, सम्पदा अधिकारी-कम-मुख्य अभियंता, अनुसंधान निदेशक तथा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाला।

गौरतलब है कि डॉ. एस.के. पाहुजा का जन्म 23 जनवरी 1966 को हिसार में हुआ। उन्होंनें अपनी प्रारम्भिक शिक्षा हिसार से ही प्राप्त की। डॉ. पाहुजा ने वर्ष 1985 में बीएससी (आनर्स) कृषि, वर्ष 1987 में एमएससी (पादप प्रजनन) तथा वर्ष 1993 में हकृवि से पादप प्रजनन विभाग से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

इस अवसर पर डॉ. पाहुजा के परिवार के सदस्यों सहित कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश कुमार गोयल, कृषि महाविद्यालय के बावल के प्रिंसिपल डॉ नरेश कौशिक, सह-छात्र निदेशक सुशील लैगा, डॉ चन्द्रशेखर सिंह डागर, नेशनल आवंडी डॉ भगत सिंह, शिक्षक, वैज्ञानिक, अधिकारी व छात्र उपस्थित रहें। मंच का संचालन छात्र रितिक ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	. 3.2.26	4	6

तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में सोमवार को तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने बताया कि प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, एलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंस, फिशरीज तथा जनरल नॉलेज से संबंधित पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में आठ प्रसिद्ध पब्लिशर्स भाग ले रहे हैं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3.2.26	9	1-3

पुस्तकें स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ाती हैं, पढ़ने की आदत डालें : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज प्रदर्शनी में पुस्तक का अवलोकन करते हुए।

हिसार, 2 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्यातिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। पुस्तकों के नियमित अध्ययन से ज्ञान में वृद्धि होती है, स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ती है तथा सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। इससे भाषा कौशल और शब्दावली में भी सुधार होता है। पुस्तक पढ़ना तनाव को कम करता है, मन को शांत रखता है और मानसिक थकान दूर करता है, जिससे अच्छी नींद और बेहतर स्वास्थ्य में सहायता मिलती है। पुस्तकें व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पुस्तक प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमियों को एक छत के नीचे विभिन्न प्रकाशकों के प्रकाशनों को देखने व खरीदने का सुअवसर प्राप्त होता है।

हकृवि में पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारम्भ

विद्यार्थियों के लिए पुस्तकों का महत्व कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि पुस्तकें विद्यार्थियों को दुनिया के बारे में नई जानकारी, विचार और तथ्य प्राप्त करने में मदद करती हैं। प्रत्येक छात्र को निश्चित रूप से पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पुस्तकें सिर्फ प्रतियोगी जीवन की ही साथी नहीं है बल्कि यह जीवन के प्रत्येक पड़ाव पर हमारा मार्गदर्शन करती हैं। इसके साथ पुस्तकें जीवन में निर्णय लेने की कला सिखाती हैं। पुस्तकें विद्यार्थियों को एक नेकदिल इंसान बनने के लिए भी प्रेरित करती हैं। नैतिकता और मूल्यों से संबंधित अच्छी पुस्तकें पढ़ना विद्यार्थियों को अच्छे गुणों से समृद्ध करता है। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने तीन दिवसीय प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, एलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंस, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। जिसमें आठ प्रसिद्ध पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	3-2-26	7	2-5

हकृवि में धूमधाम से मनाया गया 57 वां स्थापना दिवस

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

हिसार, 2 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय सभागार में स्थापना दिवस पर सोमवार को समारोह आयोजित किया गया। इसमें कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने की। मंच पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सरदार पटेल पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में शिक्षक वर्ग से

हिसार में हकृवि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज प्रदर्शनी में पुस्तक का अवलोकन करते हुए। -हप्र

डॉ. धर्मबीर यादव (प्रिंसिपल साइंटिस्ट, आरआरएस, बावल), गैर-शैक्षक वर्ग से वीना नारंग (निजी सचिव, कुलसचिव कार्यालय) तथा छात्र वर्ग से रक्षिता सिंह को सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में शिक्षक वर्ग से डॉ. ओ.पी. चौधरी (आरडी, आरआरएस करनाल), गैर-शिक्षक वर्ग से स्व. श्री लवण जैन तथा छात्र वर्ग से श्री अंकुश को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। स्थापना दिवस समारोह में हकृवि कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने एक करोड़, 78 लाख रुपए से अधिक की राशि से नव निर्मित परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ : स्थापना दिवस समारोह के दौरान हकृवि कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने विवि के नेहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया। प्रो. काम्बोज ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। पुस्तकों के नियमित अध्ययन से ज्ञान में वृद्धि होती है, स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ती है तथा सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	02.02.2026	--	--

पुस्तकें स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ाती है, पढ़ने की आदत डालें: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» हकृवि में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्यातिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। पुस्तकों के नियमित अध्ययन से ज्ञान में वृद्धि होती है, स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ती है तथा सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। इससे भाषा कौशल और शब्दावली में भी सुधार होता है। पुस्तक पढना तनाव को कम करता है, मन को शांत रखता है और मानसिक थकान दूर करता है, जिससे अच्छी नींद और बेहतर स्वास्थ्य में सहायता मिलती है। पुस्तकें व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हममें

से कई लोगों को अपने खाली समय में या सोने से पहले किताबें पढ़ने की आदत होती है क्योंकि पढ़ने से अवांछित तनाव पर काबू पाने में भी मदद मिलती है। उन्होंने कहा हर साल नई पुस्तकें बाजार में आ रही हैं। पुस्तक प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमियों को एक छत के नीचे विभिन्न प्रकाशकों के प्रकाशनों को देखने व खरीदने का सुअवसर प्राप्त होता है।

विद्यार्थियों के लिए पुस्तकों का महत्व- कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि पुस्तकें विद्यार्थियों को दुनिया के बारे में नई जानकारी, विचार और तथ्य प्राप्त करने में मदद करती हैं। प्रत्येक छात्र को निश्चित रूप से पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पुस्तकें सिर्फ प्रतियोगी जीवन की ही साथी नहीं है बल्कि यह जीवन के प्रत्येक पड़ाव पर हमारा मार्गदर्शन करती हैं। इसके साथ पुस्तकें जीवन में निर्णय लेने की कला सिखाती हैं। पुस्तकें विद्यार्थियों को एक नेकदिल इंसान बनने के लिए भी प्रेरित करती हैं। नैतिकता और मूल्यों से संबंधित अच्छी पुस्तकें पढ़ना विद्यार्थियों को अच्छे गुणों से समृद्ध करता है। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने तीन दिवसीय प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, एलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंस, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। जिसमें आठ प्रसिद्ध पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	02.02.2026	--	--

पुस्तकें स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ाती है : प्रो. काम्बोज

हकृवि में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्यातिथि रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। पुस्तकों के नियमित अध्ययन से ज्ञान में वृद्धि होती है, स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ती है तथा सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। इससे भाषा कौशल और शब्दावली में भी सुधार होता है। पुस्तक पढ़ना तनाव को कम करता है, मन को शांत रखता है और मानसिक थकान दूर करता है, जिससे अच्छी नींद और बेहतर स्वास्थ्य में सहायता मिलती है। पुस्तकें व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कुलपति ने बताया कि पुस्तकें विद्यार्थियों को दुनिया के बारे में नई जानकारी, विचार और तथ्य प्राप्त करने में मदद करती हैं। प्रत्येक छात्र को निश्चित रूप से पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पुस्तकें सिर्फ प्रतियोगी जीवन की ही साथी नहीं है बल्कि यह जीवन के प्रत्येक पड़ाव पर हमारा मार्गदर्शन करती हैं। इसके साथ पुस्तकें जीवन में निर्णय लेने की कला सिखाती हैं। पुस्तकें विद्यार्थियों को एक नेकदिल इंसान बनने के लिए भी प्रेरित करती हैं। नैतिकता और मूल्यों से संबंधित अच्छी पुस्तकें पढ़ना विद्यार्थियों को अच्छे गुणों से समृद्ध करता है।

पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने तीन दिवसीय प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्रि-बिजनेस, एलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंस, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। जिसमें आठ प्रसिद्ध पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3.2.26	4	2-3

• एचएयू का 57वां स्थापना दिवस मनाया

गिरी सेंटर में शहीद उधम सिंह क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 57वें स्थापना दिवस पर गिरी सेंटर में बनाए नवनिर्मित शहीद उधम सिंह क्रिकेट स्टेडियम और फैकल्टी हाउस में कमेटी रूम का उद्घाटन कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किया। इसके अलावा नेहरु लाइब्रेरी में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया गया। विवि के स्थापना दिवस पर प्रो. बीआर काम्बोज ने पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत चौधरी चरण सिंह, पूर्व उप प्रधानमंत्री दिवंगत चौधरी देवी लाल व प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. मंगल सेन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके की।

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया ने बताया कि इस प्रदर्शनी में एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्री. इंजीनियरिंग, होम साइंस, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है।

भास्कर इनसाइट

पवेलियन में करीब 350 लोगों के बैठने की सुविधा

क्रिकेट स्टेडियम 660.61 स्क्वायर मीटर में बना, पवेलियन में 350 लोगों के बैठने की सुविधा नया शहीद उधम सिंह क्रिकेट स्टेडियम 660.61 स्क्वायर मीटर में बना है, इस पर करीब 1.53 करोड़ रुपए की लागत आई है। यहां पवेलियन में करीब 350 लोगों के बैठने की सुविधा रहेगी। पवेलियन प्रथम तल पर बनाया गया है। जबकि ग्राउंड फ्लोर पर खिलाड़ियों के लिए दो रूम, टॉयलेट, ऑफिस रूम, लॉबी होगी।